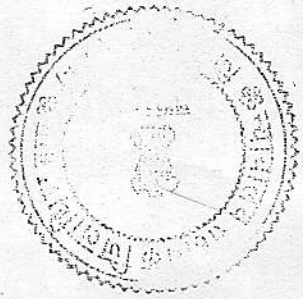


~~http://www.rajasthan.gov.in~~
 राजस्थान सरकार
 जयपुर



निर्णय आज दिनांक 31.01.2020 को सरे इजलास सेनाया गया।

न दावा रहे।

मान प्रार्थना पत्र खारिज किया जाता है पत्रावली क्रमांक 305/2019 को प्रार्थी का
 दिन होने से प्रकरण में दिनांक 28-5-2019 को जारी अन्तर्िम स्थान आदेश व प्रार्थी का
 प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 212 राजस्थान कायदेकापी अधिनियम विधेहीन व

आदेश

दिन व सारहीन पाया जाता है एवं खारिज योग्य है।
 जाना उचित नहीं है उपरोक्तानुसार अवलोकन एवं विचारण से प्रार्थी का प्रार्थना पत्र
 धार है न्यायालय के विनय मतानुसार देकडैड खातेदार के विरुद्ध अस्थाई निषेधाज्ञा जारी
 न दर्ज रखना भी स्पष्ट है अप्रार्थीण सं. 1 ता 3 वादग्रस्त मुँसि के क्रेता व देकडैड
 19 के निर्णय दिनांक 11-7-2019 के अवलोकन से वादग्रस्त मुँसि अप्रार्थी सं. 1 के नाम
 के पक्ष में नहीं बनना पाया जाता है। न्यायालय अतिरिक्त निज कलेक्टर की अधीन सं.
 न राजस्व रेकॉर्ड में मुँसि अप्रार्थी सं. 1 के नाम दर्ज है। ऐसी स्थिति में सुविधा का सर्वजन
 पक्ष नहीं किया गया है जिससे वादग्रस्त मुँसि पर उसका कब्जा कायदे से साबित हो
 दरामद किया जाना का स्पष्ट आदेश पारित किया है प्रार्थी द्वारा ऐसा कोई दस्तावेज या
 जाने और उस पर अप्रार्थी सं. 1 नबीबक्स का कब्जा होने से नामान्तरकरण सं. 73 का
 9-12-1997 की प्रति के अवलोकन से वादग्रस्त मुँसि पर तहसीलदार स्वयं द्वारा मौका
 नदार फलौदी ने विविध जांच बाबत नामान्तरकरण अमल दरामद करने हेतु के निर्णय
 नामान्तरकरण स्वीकृत कर दर्ज की जाना पायी जाती है, उक्त नामान्तरकरण के विरुद्ध
 5 बजाय अप्रार्थी सं. 1 नबीबक्स के नाम जारिये बेदान रुपये 99/- दिनांक 7-3-1971
 1 7 बिस्वा कुल रकबा 125 बीघा 7 बिस्वा ग्राम देवासरी की मुँसि खातेदार जारिये है
 की प्रति के अवलोकन से स्वयं सं. 217 की रकबा 75 बीघा व स्वयं सं. 251 की रकबा
 ताल का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया गया पत्रावली पर वादग्रस्त मुँसि के नामान्तरकरण
 समय पक्ष के अधिवक्ताण की बहस पर मनन किया गया पत्रावली व उस पर उपलब्ध
 र खारिज योग्य होने से खारिज करमाया जावे।
 तीनों बिन्दु अप्रार्थीण सं. 1 से 5 व 7 के पक्ष में साबित होने से प्रार्थी का प्रार्थना पत्र
 अप्रार्थीण सं. 1 ता 3 को होगी, प्रथम दृष्टया मानना, सुविधा का सर्वजन व अपूर्णिय
 है देकडैड खातेदार अप्रार्थीण सं. 1 ता 3 को बेदखल कर दिया जाता है तो अपूर्णिय
 न्यायानुसार देकडैड खातेदार के विरुद्ध अस्थाई निषेधाज्ञा प्राप्त करने का प्रार्थी अधिकार

